

बरसात में मातम

अ॒

ना में एक दर्जन से अधिक मौत के मातम में बरसात के कहर ने हजारों तखियों पर चेतावनी लिख दी। बारिश बेशक तबाही के साथ बरसी, लेकिन इसके नीचे हमारा चरित्र बेगुनाह नहीं। हम ऐसा हिमाचल बना रहे हैं, जहां बरसात को हमने खुखार बना दिया। ऊन की बाढ़ का ही विशेषण करें तो हर मौत के किरदार में हमारी प्रगति की मिसालें दोषी बन कर खड़ी हैं। जेजों की खड़ु में इनोवा की ताकत का जनाजा इसलिए निकला, क्योंकि बारिश की चेतावनी पद्धति विकसित नहीं हुई। जान जोखिम पर डालकर परिवहन के प्रति नागरिक लापरवाही का नीतीजा है कि खड़ु ने इनोवा की सांसें रोक दीं। दूसरी ओर बाथड़ी खड़ु का रौद्र रूप क्या सिर्फ बरसात का उफान है या हमने इस तरह की त्रासदी को आसान बना दिया। जाहिर है रेत-बजरी से निकलती आर्थिकी ने अपने कुप्रबंधन का शिकार खड़ु में किया। यह विनाश की कोख है जिसमें सिर्फ मौत की चीजों का भयावह परिदृश्य आज अगर बाथड़ी के तटों को ललकार रहा है, तो कल कोई अन्य खड़ु, नाला या कूहल होगी। ऊन के उद्योग परिस की उत्पादकता ने जिस तरह खड़ु के मुहाने को कंकाल बनाया, उससे निर्माण के खतरों ने बहकना सीख लिया। दरअसल हम बहते पानी पर बादल के फटने की तोहमत के पीछे नुकसान को छुपाना चाहते हैं, जबकि बरसात के लिए बिकास का अवाधित तयशुदा प्रस्थान चाहिए। आज बाथड़ी में औद्योगिक चहल-पहल पर बरसात का डाका पड़ा तो यह स्पष्ट हो गया कि वहां का निर्माण कातिल था। कौन सी ऐसी एंजेसी है जो यह बताने में सक्षम है कि कहा की जीतीन किस कार्य या गतिविधि के लिए उपयुक्त है। तेज निर्माण को तेज धारा के जल से हमेशा खतरा रहेगा। हमारी जरूरतों का तात्कालिक महत्व जिस गति से विकास को आरंभित कर रहा है, वहां हमें निर्माण की आचार संहिता लागू करनी चाहिए। पंडोह का कैंची मोड़, रानीताल से गुजरता फोरलेन, खड़ामुख-होली मारा पर गिरी चट्ठाने और हर बारिश के बाद के मुआयनों से सीखना होगा। आश्वस्य यह कि बाढ़ नियंत्रण जैसे कार्यक्रमों पर तबज्जो देते हुए प्रदेश को प्राकृतिक जल प्रणाली के साथ-साथ विभिन्न परियोजनाओं, विकास तथा शहरीकरण की आवासीय व्यवस्था का अध्ययन करते हुए, जल निकास का प्रबंधन करना होगा। हम राजनीतिक कारणों, भूमि की अनुपलब्धता या बनापत्तियों में हो रही देरी के कारण ऐसी भूमि पर कंकीट बिछाने की हिमाकत कर रहे हैं, जो बाद में खतरों का त्रिकाना साबित हो रहे हैं। जलस्रोतों के आसपास अतिक्रमण और निर्माण की छूट ने पूरे हिमाचल को बरसात त्रासदी के हवाले कर दिया है। ऐसे में हिमाचल में व्यवस्थित निर्माण के लिए टीसीपी कानून को पूरे प्रदेश में अमल में लाना होगा, ताकि शहरी एवं ग्रामीण विकास को नियोजित ढंग से अमल में ला सकें। इसके अलावा निर्माण की आचार संहिता लागू करते हुए पहाड़, पर्यावरण और जल निकास की शर्तों का कठोरता से पालन किया जाए। सरकारी निर्माण की गुणवत्ता पर कड़ी नजर रखने की वैधता को पूरा करने के लिए तंत्र सुधारना पड़ेगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि सज्जनों के बहुत से समूह उस दिन श्री सरयूजी के पवित्र जल में स्नान करते हैं और हृदय में सुंदर श्याम शरीर श्री रघुनाथजी का ध्यान करके उनके नाम का जप करते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दरस परस मज्जन अरु पाना। हरइ पाप कह बेद पुराना॥

नदी पुनीत अमित महिमा अति। कहि न सकड़ सारदा बिमल मति॥

वेद-पुराण कहते हैं कि श्री सरयूजी का दर्शन, स्पर्श, स्नान और जलपान पापों को हरता है। यह नदी बड़ी ही पवित्र है, इसकी महिमा अनन्त है, जिसे विमल बुद्धि वाली सरस्वतीजी भी नहीं कह सकती॥

राम धामदा पूरी सुहावनि। लोक समस्त बिदित अति पावनि॥

चार खानि जग जीव अपारा। अवध तजें तनु नहि संसार॥

यह शोभायमान अयोध्यापुरी श्री रामचन्द्रजी के परमधाम की देने वाली है, सब लोकों में प्रसिद्ध है और अत्यन्त पवित्र है। जगत में (अपडज, स्वेदज, उद्दिन्जन और जरायुज) चार खानि (प्रकार) के अनन्त जीव हैं, इनमें से जो कोई भी अयोध्याजी में शरीर छोड़ते हैं, वे फिर संसार में नहीं आते (जन्म-मृत्यु के चक्र से छोटकर भगवान के परमधाम में निवास करते हैं)॥

सब विधि पूरी मनोहर जानी। सकल सिद्धिप्रद मगल खानी॥

बिमल कथा कर कीन्ह अरंभ। सुनत नसाहि काम मद दंभ॥

इस अयोध्यापुरी को सब प्रकार से मनोहर, सब सिद्धियों की देने वाली और कल्याण की खान समझकर मैंने इस निर्मल कथा का आरंभ किया, जिसके सुनने से काम, मद और दंभ नष्ट हो जाते हैं॥ (क्रमशः..)

श्रावण शुक्ल पक्ष : नवमी



मेष- (वृ, वै, चौ, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरकी करें। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।



वृष- (३, ३, ४, ओ, वा, वी, वृ, वै, वै, वै)

जुबान अनिवार्तन करें। पूंजी का निवेश अभी न करें। बाकि स्वास्थ्य ठीक ठाक, प्रेम-संतान अच्छा व व्यापार अच्छा।



मिथुन- (का, की, कु, घ, ड, छ, के, हो, हा)

सकारात्मक ऊर्जा का सचार होगा। स्वास्थ्य बहुत अच्छा। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार बहुत अच्छा।



कर्क- (ही, हू, है, हो, झा, झी, हू, डे, झा)

स्वास्थ्य नरम गरम बना रहेगा। मन चिंतित रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

सम्पादकीय

भारत के हाथ नहीं आया एक भी स्वर्ण पदक, छह पदक पाकर खुश हैं हम!

पे

रिस में ओलंपिक खेलों का समापन हो गया है। भारत के लिहाज से 2024 का यह ओलंपिक खड़ी मीठी यादों वाला कहा जाएगा।

देशवासी उम्मीद जता रहे थे कि भारत इस बार दहाई के अंक तक पदक हासिल करेगा। यानी पिछले टोक्यो ओलंपिक में सत पदक से ज्यादा हमेरी सेवाएं जीतेंगे। मगर, अनुमति और भविष्यवाची हमेशा सही साबित नहीं होते हैं। सबसे बड़ी निराशा तो यह कि हमारे किसी खिलाड़ी अथवा एथलीट ने स्वर्ण पदक नहीं जीता। यह किसी दुर्भाग्य से कम नहीं है। इस कारण पदक तालिका में भारत कापों नीचे 69 वें स्थान पर रहा। एक भी स्वर्ण पदक मिल जाता तो हम थोड़ा ऊपर दिख जाते। भाला फेंक में नीरात चोपाल से स्वर्ण की पूरी उम्मीद थी लेकिन वह भी रजत पदक ही ला सके। इस प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक पाकिस्तान के अरशद नदीम के नाम रहा। इस वज्र से पाकिस्तान एक स्वर्ण पदक लेकर पदक तालिका में भारत से ऊपर रहे गया।

भारत ने बड़ी बहादुरी से फाइनल तक का सफर पूरा किया था। मगर, भारत ने उसका साथ नहीं दिया। अब

वे चौथे स्थान पर रहे। आठ खिलाड़ियों ने मामली अंकों के साथ तीसरे पर न आकर चौथा स्थान हासिल किया। यदि ये तीसरे नंबर



कुर्ती में एकमात्र पुलष पहलवान अमन सेहरावत ने पहली बार ओलंपिक में भाग लिया और उसने कांस्य पदक जीत कर देश की लाज रख ली। 21 साल के अमन ओलंपिक में पदक जीतने को बाद यह आदर्श प्रकाशन को बढ़ावा देता है।

अन्य महिला पहलवानों को कोई पदक नहीं मिला।

उसका मामला खेल पंचाट के समान है। जिसका निर्णय अब 13 अगस्त को आया। निवेश का दावा है कि उसे रजत पदक दिया जाना चाहिए। देश के जाने माने अधिवक्ता हरीश सालवे ने भी उसके लिए स्थान पर रह कर कांस्य पदक कर दिया। खाली हाथ लालने से बेहतर है कि कुछ मिल गया। इसमें एक भूट टूट गई। वर्ष 2018 में ये मास्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारत की बाल चाहिए।

कुर्ती में एकमात्र पुरुष पहलवान अमन सेहरावत ने पहली बार ओलंपिक में भाग लिया और उसने कांस्य पदक जीत कर दिया। अब निवेश को बढ़ावा देना चाहिए। यह एक अद्वितीय हारीश सालवे के लिए एक अद्वितीय हारीश है।

कुर्ती में एकमात्र पुरुष पहलवान अमन सेहरावत ने पहली बार ओलंपिक में भाग लिया और उसने कांस्य पदक जीत कर दिया। वह निश्चित रूप से पदक जीतने के बाद यह आदर्श प्रकाशन को बढ़ावा देना चाहिए।

यही हाल बैंडमिटन स्टर लक्षण सेवन का रहा। वह निश्चित रूप से पदक जीतने के बाद यह आदर्श प्रकाशन को बढ़ावा देना चाहिए।

भारतीय एथलीट अविनाश साबल ने पुरुष 3000 मीटर के स्टीपलचेज स्पर्धा में फाइनल के लिए क्राउफर्ड बाल बन गया। उनसे भी पदक की उम्मीद बन गई थी। मगर, बाल में संघीणी एथलीट रियो और दो और कोई पदक नहीं मिला।

भारतीय पहलवान निवेश को बढ़ावा देना चाहिए। यह एक अद्वितीय हारीश सालवे के लिए एक अद्वितीय हारीश है।

भारत विभाजन

